SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 3

भूमंडलीकृत विश्व का बनना

भाग - 5

Pritesh Joshi

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1914-18

महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था

पहला विश्व युद्ध



युरोप → 30 साल आर्थिक राजनीतिक स्थिरता लाने में!

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

युद्धकालीन रूपांतरण

सारे

प्रथम विश्व युद्ध



मित्र राष्ट्र
- ब्रिटेन
- फ्रांस
- रूस

केन्द्रीय शक्तियां
- जर्मनी
- ऑस्ट्रिया
- ऑटोमन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसा भीषण युद्ध पहले कभी नहीं हुआ था।
- इस युद्ध में दुनिया के सबसे अग्रणी औद्योगिक राष्ट्र एक दूसरे से जूझ रहे थे।
- शत्रुओं को नेस्तनाबूद करने के लिए उनके पास बेहिसाब औद्योगिक शक्ति इक्ट्ठा हो चुकी थी।
- इस युद्ध में मशीनगनों, टैंकों, हवाई जहाजों और रासायनिक हथियारों का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था।
- ये सभी चीजें आधुनिक विशाल उद्योगों की देन थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- समाजों में बदलाव आया। पुरूष जब युद्ध के मोर्चे पर जाने लगे तो उनके कामों को संभालने के लिए स्त्रियों को बाहर आकर वे काम करने पड़े जिन्हें अभी तक पुरूषों का ही काम माना जाता था।
- इस युद्ध के कारण दुनिया की कुछ शक्तिशाली आर्थिक ताकतों के बीच संबंध टूट गये।
- वे तो अब तक दूसरे से बदला लेने पर उतारू थे।
- इस युद्ध में ब्रिटेन को अमेरिकी बैंकों से भारी कर्ज लेना पड़ा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- अब अमेरिका कर्जदार की बजाय कर्जदाता देश बन गया।
- आशय यह है कि अमेरिका व उसके नागरिकों की संपत्तियों की दूसरे देशों में कीमत, अमेरिका में दूसरे देशों की संपत्तियों की कीमत से ज्यादा हो चुकी थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

युद्धोत्तर - सुधार

1. ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति खराब
2. जापान से प्रतिस्पर्धा
3. अमेरिका से कर्ज
4. भारी बेरोज़गारी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

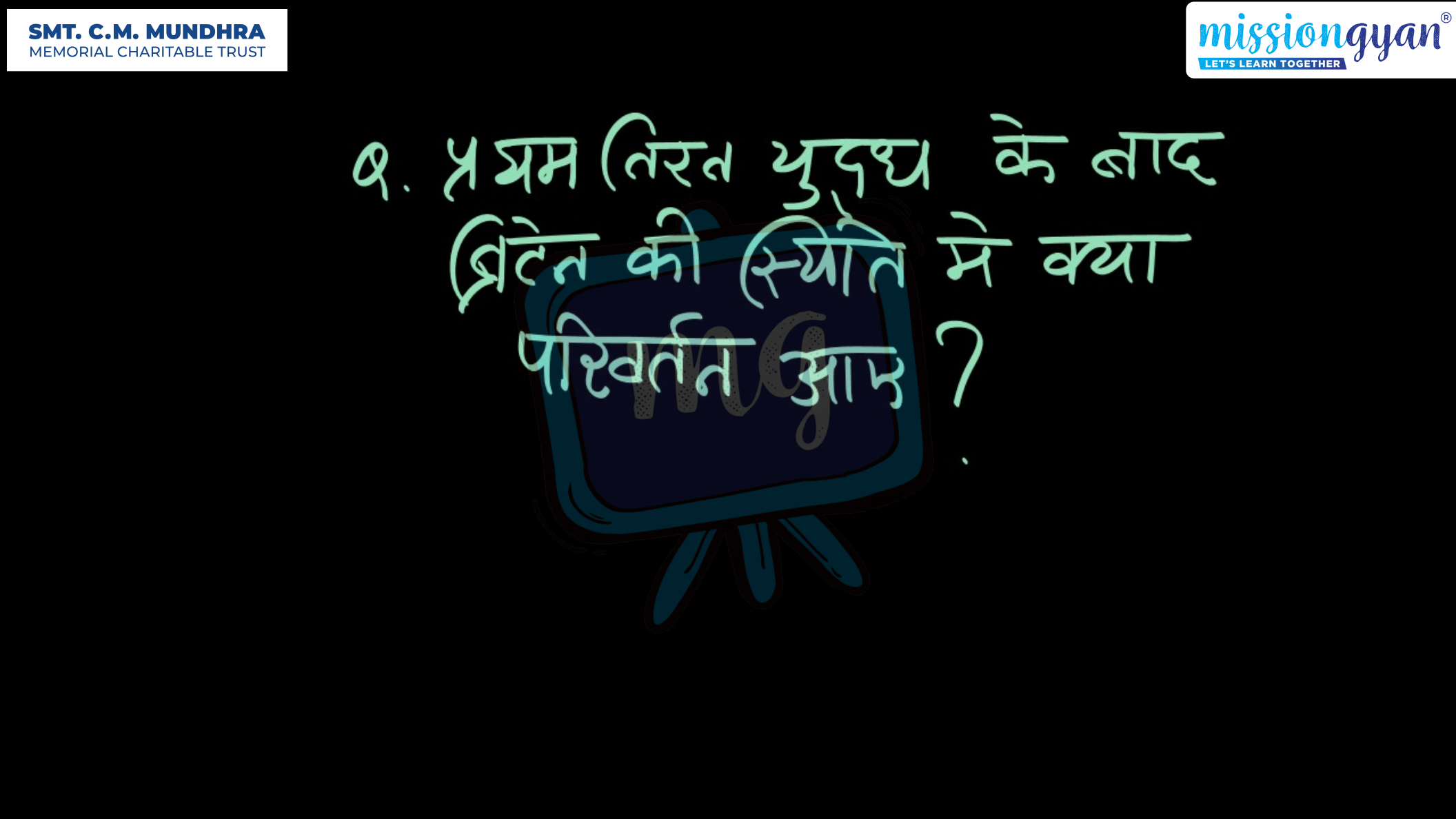

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपभोग

अमेरिका

- युद्ध से अमेरिका की अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचा था।
- युद्ध के बाद कुछ समय के लिए तो अमेरिकी-अर्थव्यवस्था को भी झटका लगा था लेकिन 1920 के दशक के शुरूआती सालों से ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से तरक्की के रास्ते पर बढ़ने लगी।
- 1920 के दशक की अमेरिकी अर्थव्यवस्था की एक बड़ी खासियत थी वृहद उत्पादन का चलन।
- हालांकि वृहद उत्पादन का यह चलन 19वीं सदी के आखिर से ही शुरू हो चुका था लेकिन 1920 के दशक में तो यह अमेरिकी औद्योगिक उत्पादन की विशेषता ही बन गया था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1920 के बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बढ़ने का मुख्य कारण क्या?

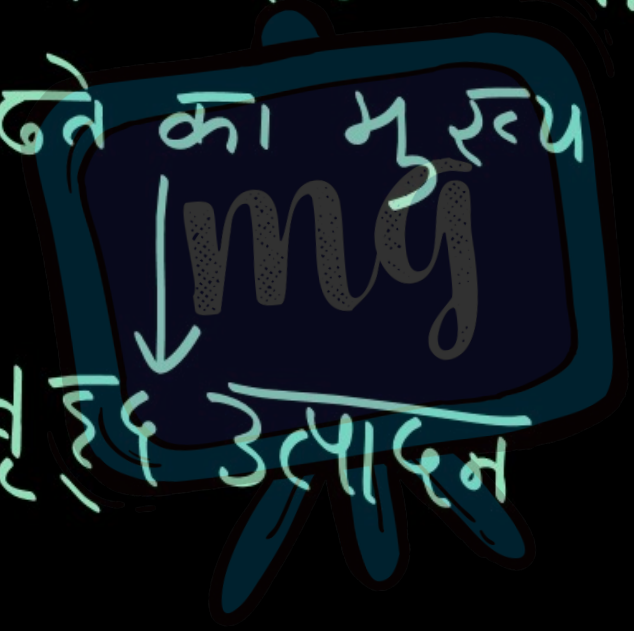

वृहद उत्पादन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Food

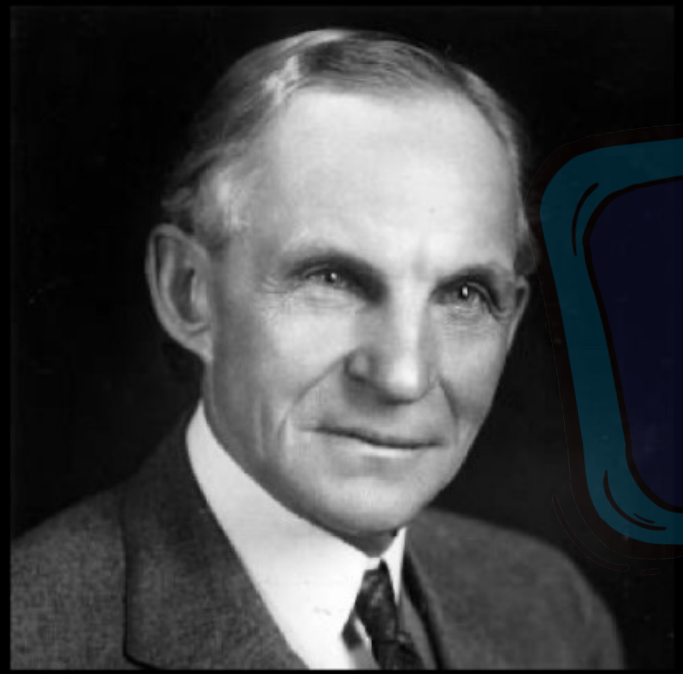

हेनरी फोर्ड

- कार निर्माता हेनरी-फोर्ड बृहद उत्पादन के विख्यात प्रणेता थे।
- उन्होंने शिकागो के एक बूचड़खाने की असेंबली-लाइन की तर्ज पर डेट्रॉयट के अपने कार कारखाने में भी आधुनिक असेंबली लाइन स्थापित की थी।
- शिकागो के एक बूचड़खाने में मरे हुए जानवरों को एक कन्वेयर-बेल्ट पर रख दिया जाता था और उसके दूसरे छोर पर खड़े माँस विक्रेता अपने हिस्से का मांस उठाकर निकलते जाते थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- यह देखकर फोर्ड को लगा कि गाड़ियों के उत्पादन के लिए भी असेंबली लाइन का तरीका समय और पैसे दोनों के लिहाज से किफायती साबित हो सकता है।
- असेंबली-लाइन पर मजदूरों को एक ही काम जैसे कार के किसी खास पुर्जे को ही लगाते रहना - मशीनी ढंग से बार-बार करते रहना होता था।
- काम की रफ्तार इस बात से तय होती थी कि कन्वेयर-बेल्ट किस रफ्तार से चलती है।
- यह काम की गति बढ़ाकर प्रत्येक मजदूर की उत्पादकता बढ़ाने वाला तरीका था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

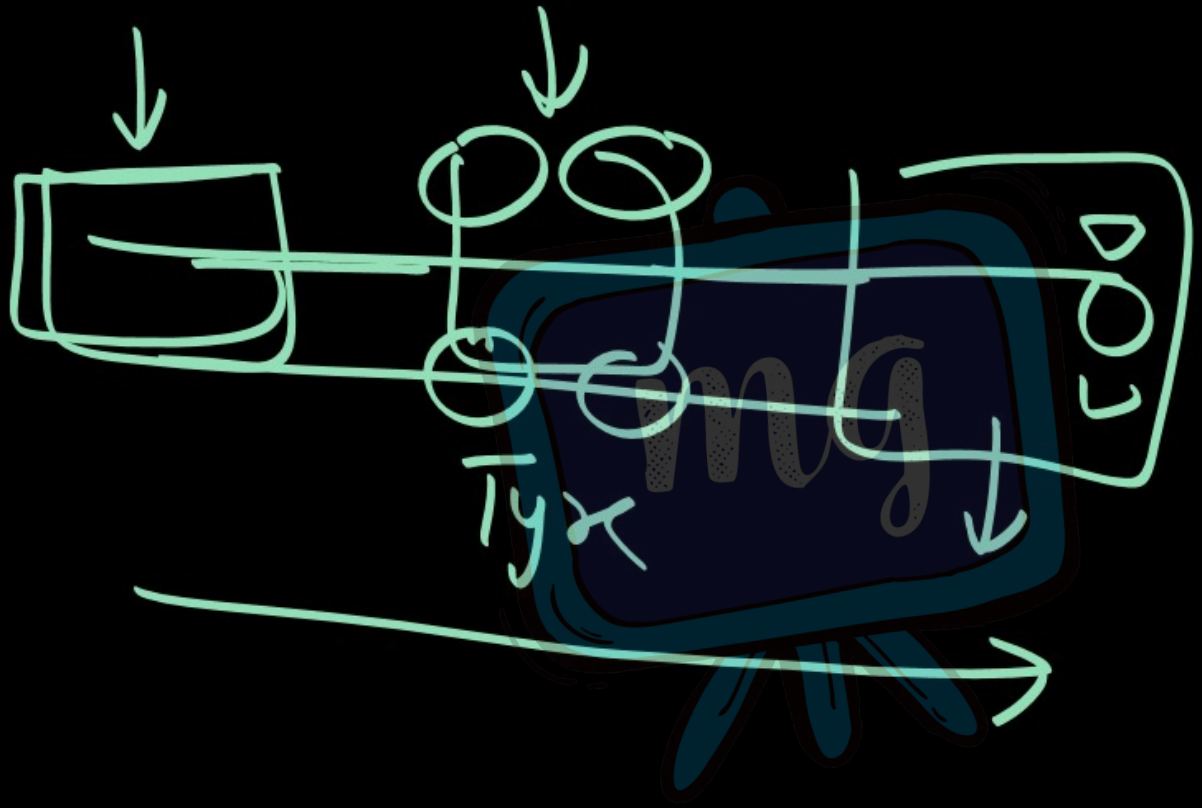

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

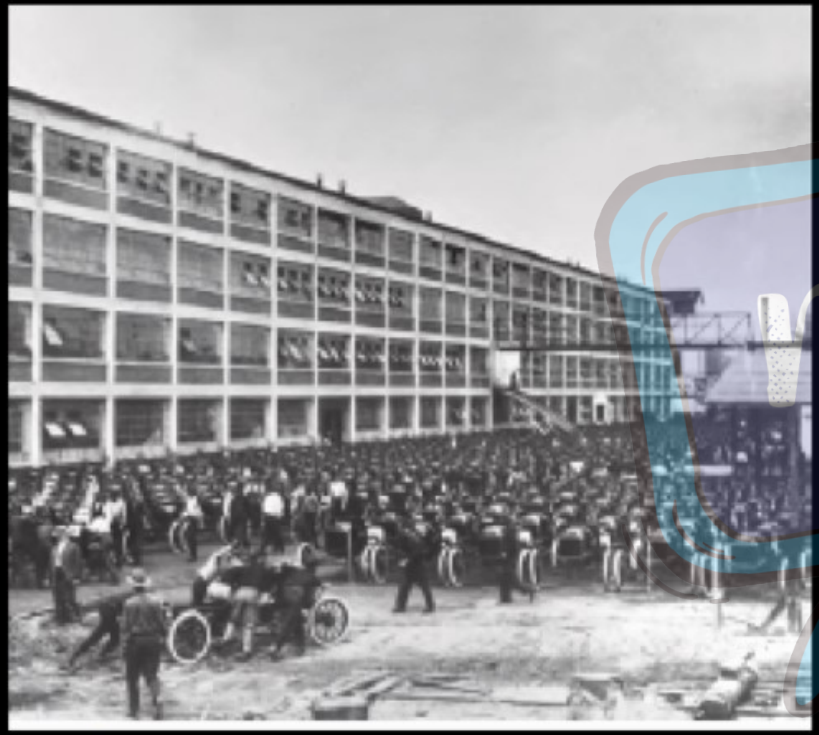

फैक्ट्री के बाहर कतार में खड़ी टी-मॉडल गाड़ियाँ

- कन्वेयर-बेल्ट के साथ खड़े होने के बाद मजदूर अपने काम में ढील करने या कुछ पल के लिए भी अवकाश लेने का जोखिम नहीं उठा सकता था।
- यहाँ तक कि इस व्यवस्था में मजदूर अपने साथियों के साथ बातचीत भी नहीं कर सकते थे।
- इसका नतीजा यह हुआ कि हेनरी फोर्ड के कारखाने की असेंबली लाइन से हर 3 मिनिट में एक कार तैयार होकर निकलने लगी।
- इससे पहले की पद्धतियों के मुकाबले यह रफ्तार कई गुना ज्यादा थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

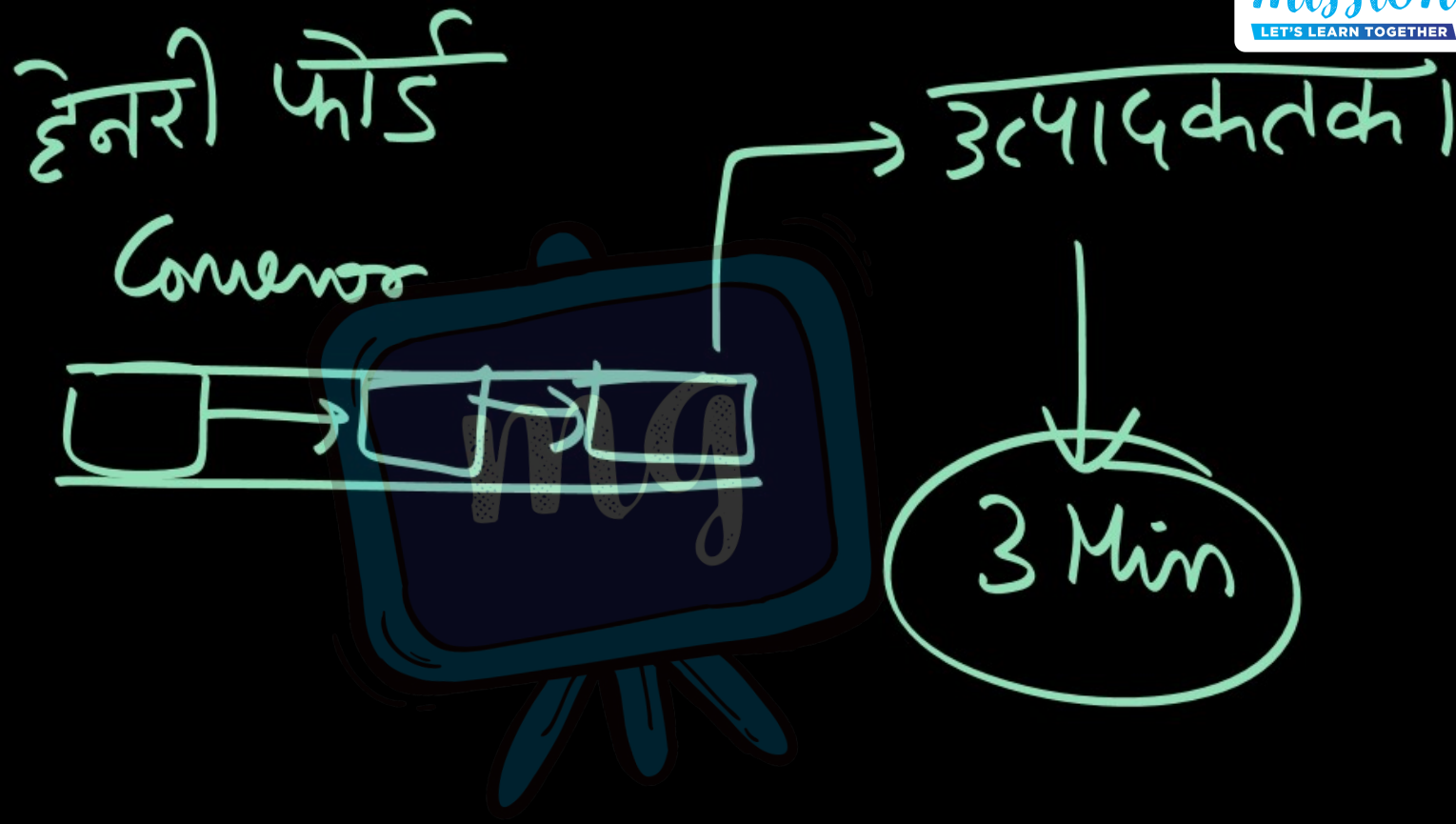

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

असेंबली लाइन में समस्या → मजदूर परेशान → 1. वेतन दोगुना 2x

2. यूनियन गतिविधियों पर प्रतिबंध

✓ तनख्वाह ↑

✓ मुनाफा ↓

क्या करे ?

रफ्तार ↑

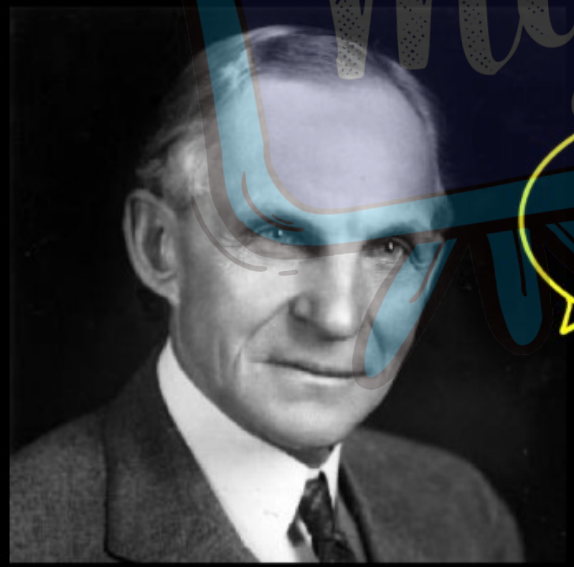

असेंबली लाइन की रफ्तार बढ़ा दो !

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. हेनरी फोर्ड ने मज़दूरों की उत्पादकता किस प्रकार बढ़ाई ?



- फोर्ड द्वारा अपनाई गई उत्पादन पद्धतियों को जल्दी ही पूरे अमेरिका में अपनाया जाने लगा।
- 20 के दशक में ही यूरोप में भी उनकी नकल की जाने लगी।
- वृहत उत्पादन पद्धति ने इंजीनियरिंग आधारित चीजों की लागत और कीमत में कमी ला दी।
- बेहतर वेतन के चलते अब बहुत सारे मजदूर भी कार जैसी टिकाऊ वस्तुऐं खरीद सकते थे।
- 1919 में अमेरिका में 20 लाख कारों का उत्पादन होता था जो 1929 में बढ़कर 50 लाख कार प्रतिवर्ष से भी ऊपर जा पहुंचा।
- बहुत सारे लोग फ्रिज, वॉशिंग मशीन, रेडियो, ग्रामोफोन प्लेयर्स आदि भी खरीदने लगे।
- ये सब चीजें 'हायर-परचेज' व्यवस्था के तहत खरीदी जाती थीं। यानी लोग ये सारी चीजें कर्ज़ पर खरीदते थे और उनकी कीमत साप्ताहिक या मासिक किस्तों में चुकाई जाती थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





- मकानों के निर्माण और निजी मकानों की संख्या में वृद्धि से भी फ्रिज, वॉशिंग मशीन आदि उपकरणों की माँग में इज़ाफा हुआ।
- घरों का निर्माण या खरीदारी भी कर्ज़ पर ही की जा रही थी।
- 1920 के दशक में आवास एवं निर्माण में आए इस उछाल से अमेरिकी संपन्नता बढ़ी।
- मकानों के निर्माण और घरेलू ज़रूरत की चीज़ों के खरीदने से रोज़गार और माँग दोनों बढ़ी।
- उपभोग बढ़ रहा था तो ज़्यादा निवेश की जरूरत हो गई जिससे और नए रोज़गार व आमदनी दोनों में वृद्धि होने लगी।

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1923 में अमेरिका शेष विश्व को पूँजी का निर्यात दोबारा करने लगा और वह दुनिया में सबसे बड़ा कर्ज़दाता देश बन गया।
- अमेरिका द्वारा आयात और पूँजी निर्यात ने यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं को भी संकट से उबरने में मदद दी।
- अगले 6 साल में विश्व व्यापार व आय वृद्धि दर में काफी सुधार आया।
- लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक कायम नहीं रह पाई।
- 1929 तक आते-आते दुनिया एक ऐसे आर्थिक संकट में फंस गई जिसका दुनिया ने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

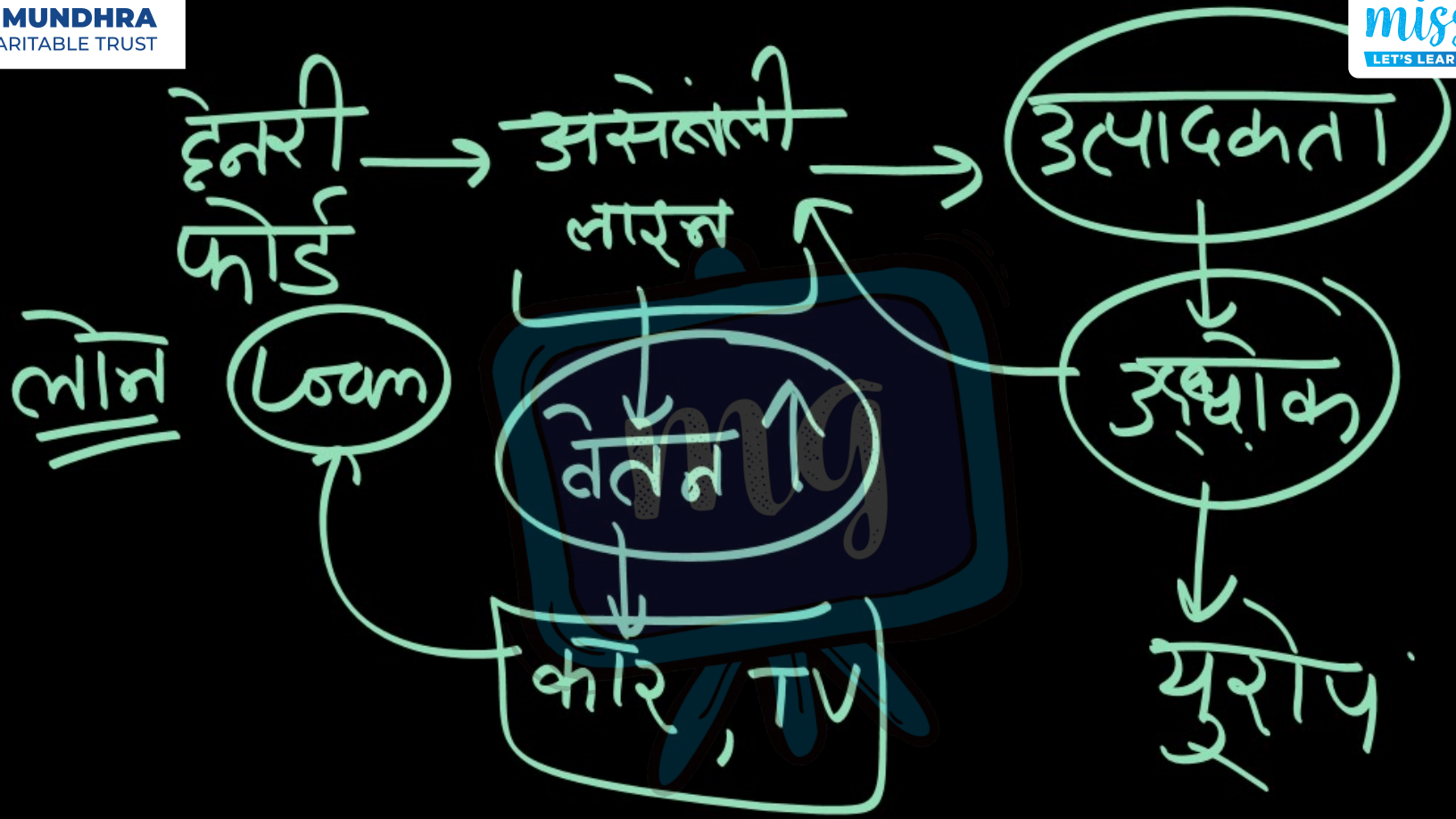

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

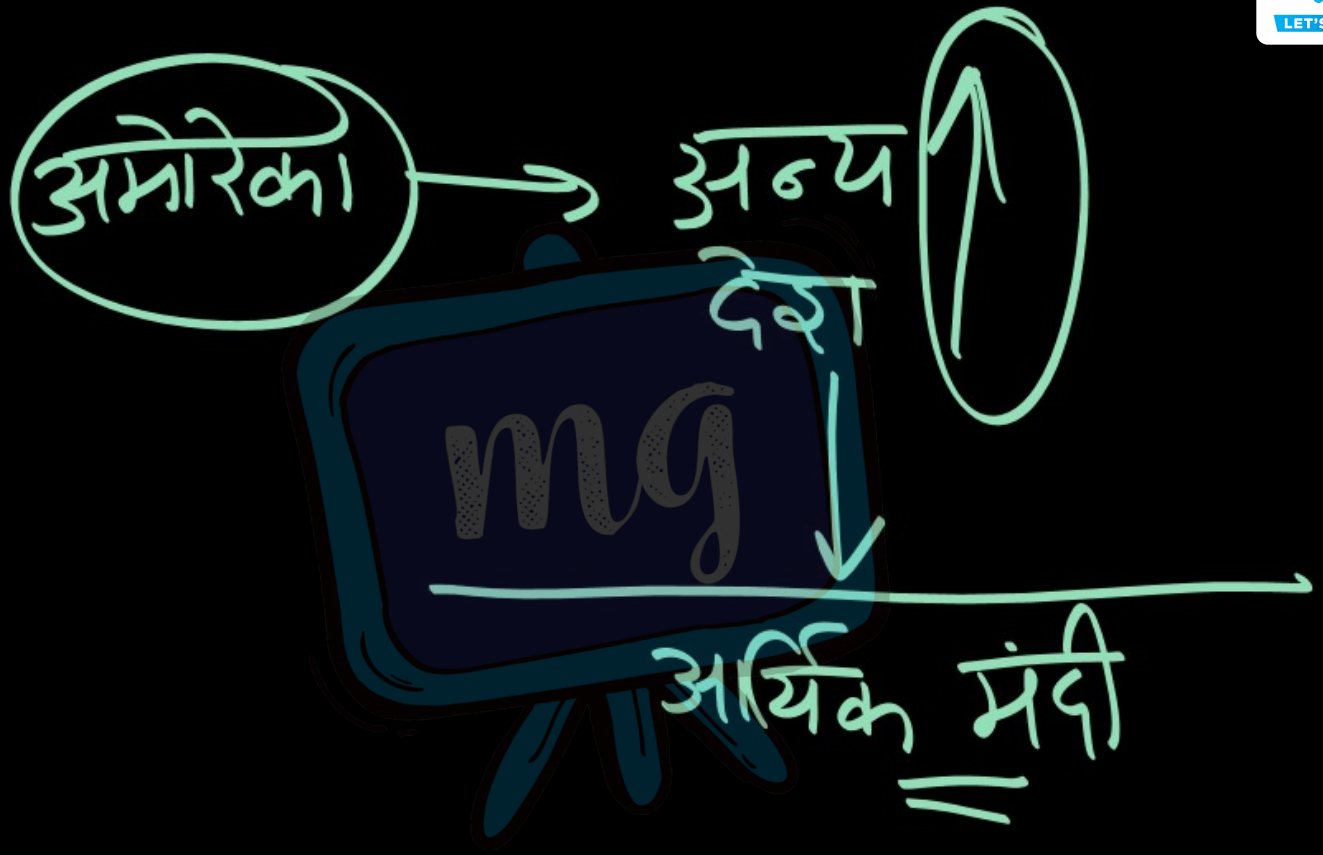

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

९. अमेरिका तिरव का सबसे बडा कर्जा दाता किस प्रकार बना?

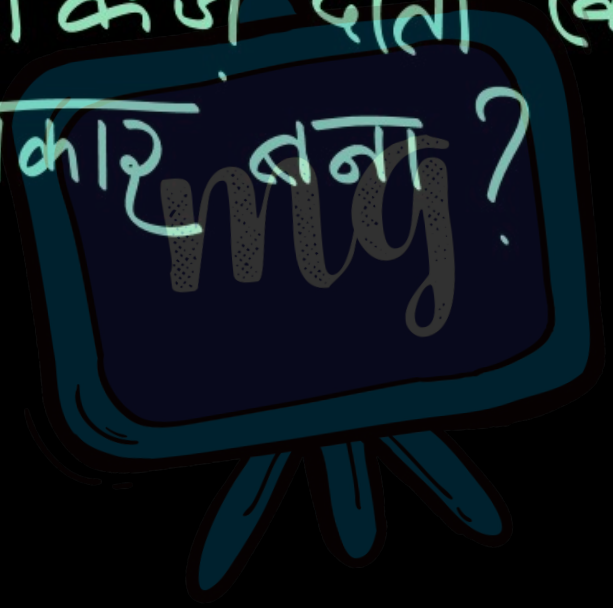

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



महामंदी

- आर्थिक महामंदी की शुरुआत 1929 से हुई और यह संकट 1930 के दशक के मध्य तक बना रहा।
- इस दौरान दुनिया के ज़्यादातर हिस्सों के उत्पादन, रोज़गार, आय और व्यापार में भयानक गिरावट दर्ज की गई।
- इस मंदी का समय और असर सब देशों में एक जैसा नहीं था।
- लेकिन ऐसा माना जा सकता है कि कृषि क्षेत्रों और समुदायों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. महामंदी प्रभाव [illegible] ज्यादा कृषि पर क्यों पड़ा?

इसका कारण यह था कि औद्योगिक उत्पादों की तुलना में कृषि उत्पादों की कीमतों में ज़्यादा भारी और ज़्यादा समय तक कमी बनी रही।

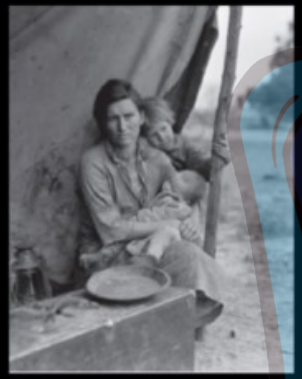

महामंदी के दौरान एक आप्रवासी खेत मज़दूर का बेघर और भूखा परिवार, 1936
सौजन्य : लायब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस प्रिंट्स एंड फोटोग्राफ्स डिविजन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① अति उत्पादन
② कर्ज़ वसूली

महामंदी के कारण :-

हम पहले ही देख चुके हैं कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद विश्व-अर्थव्यवस्था कितनी कमज़ोर हो गई थी। अतः इस महामंदी के कई कारण थे-

1. कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन
2. अमेरिका द्वारा कर्ज वसूली

1. कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन :-

कृषि उत्पादों के अधिक उत्पादन से उनकी कीमतें गिरने लगी जिसके कारण स्थिति खराब हो गई थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

